International Recognized Double-Blind Peer Reviewed Multidisciplinary Research Journal
Review Of Research
ISSN 2249-894X **Impact Factor : 3.1402 (UIF)**
Volume - 4 | Issue -8 | May - 2015 **Available online at www.ror.isrj.org**

समाचार पत्रों का छात्रों पर पठनीयता अभिरूचि का अध्ययन

मु.दानिश खान
एम.फिल शोधार्थी , मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय ,हैदराबाद.

Short Profile :
Danish Khan is a researcher in Maulana Azad National Urdu University, Hyderabad. He has completed B.A., M.A., M.Phil (pursuing).

ABSTRACT :
हिन्दुस्तान की लगभग एक तिहाई जनसंख्या युवाओं की है और वर्तमान में ऐसा माना जाता है कि नवयुवकों की समाचार पत्रों पर निर्भरता कुछ ज्यादा ही है । इस शोध का उद्देश्य छात्र -छात्राओं में अखबार पढ़ने से उन पर कितना असर पड़ता है ? इस का जायजा लेना है। इसमें प्राइमरी डाटा का उपयोग किया जायेगा और इस के साथ ही डाटा कलेक्शन के लिए सर्वे मेथड का प्रयोग किया जाएगा

Article Indexed in :
DOAJ Google Scholar DRJI
BASE EBSCO Open J-Gate

शोध का उद्देशय-

किसी भी शोध को करने के लिए सबसे पहले जरूरी होता है कि एक विषय को चुना जाए । इसमें इस बात का ध्यान रखा जाता है कि शोधकर्ता टॉपिक के बारें में कुछ जानकारी रखता हो ।

- छात्र छात्राएं अखबार किस लिए पढ़ते हैं शिक्षा के लिए,सूचना के लिए या फिर मनोरंजन के लिए
- छात्र छात्राएं किस भाषा का अखबार अधिक पढ़ते हैं?
- छात्र-छात्राएं अखबार में किस प्रकार की खबरें अधिक पढ़ना पसंद करते हैं फिल्म, खेल क्राइम या राजनीति आदि।
- अखबार छात्र छात्राओं को वर्तमान से अवगत कराता है

शोध वास्तविक तौर पर हल करने का नाम या सुझाव देने का नाम है । हम वैज्ञानिक तरीके से शोध को पढ़ सकते हैं। इस ज्ञान में शोध के अलग अलग तौर तरीकों का प्रयोग किया जाता है ।

- छा त्रछा त्राओंमें अखबार की तरफ झुकाव का पता लगाना
- आज की मीडिया के बारे में छात्र - छात्राओं की दिलचस्पी का विश्लेषण करना
- मानू के छात्र छात्राएं अखबार किस लिए पढ़ते हैं इसको जानना।
- इस कैंपस में अलग अलग संचार के माध्यम का विशलेशण करना
- विश्वविद्यालय कैंपस और छात्रों एंव मीडिया के लिए सिफारिश का विशलेशण करना

हिंदुस्तान को नौजवानों का देश कहा जाता है यहां की कुल आबादी का 35 प्रतिशत जनसंख्या युवाओं की है और ये दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है । जहां 2001 में 353 मिलियान जनसंख्या युवाओं की थी जो अब बढ़कर 2011 में 450 मिलियन हो

गई। हिन्दुस्तान में 15 से 35 साल के लोगों को युवा कहते हैं । और इन युवाओं की बड़ी जनसंखया अखबार पढ़ती है और इनमें से अधिकतर युवा अखबार का उपयोग सूचना और शिक्षा के लिए करते हैं। अखबार युवाओं में लोकप्रिय है, इस बात का पता इससे चलता है कि हर तीन युवाओं में से दो अखबार पढ़ते हैं। एनसीएइआर 2009 के सर्वे के मुताबिक 28.8 प्रतिशत आनलाइन अखबार पढ़तें हैं। इससे ज्ञात होता है कि युवाओं में अखबार कितना लोकप्रिय है ।

उर्दू विश्वविद्यालय में छात्रछात्राओं की एक बड़ी तायदाद रहती है । हम यहां के छात्र छात्राओं में अखबार की तरफ कितना झुकाव है ? ये जानने की कोशिश करेंगे। अखबार और अखबार पढ़ने की शुरुआत कागज की इजाद के बाद से हुआ । वैसे कागज के आने से पहले भी इंसान समाचारों को प्राप्त करने के लिए संचार के विभिन्न माध्यमों का प्रयोग करते थे ।

औपचारिक रूप से भारत में समाचार पत्रों की शुरुआत 1780 में हुआ । जिसके संपादक रिर्पोटर और बानी एक ही व्यक्ति थे जिसको अंग्रजों ने नौकरी से निकाल दिया था इनका नाम जेम्स अगस्ट हिकी था। सारी दुनिया में छपने वाले अखबारों में अमरीका में छपने वाले अखबार बहुत बड़े होते हैं। अखबार पढ़ने वाले देशों के मामले में नर्वे सबसे आगे है यहां एक हजार में से 610 कापिंया बिकती है इसके बाद नंबर आता है जापान, जर्मनी और फिनलैंड का। इससे ये समझा जाता है कि आर्थिक रूप से विकसित देशों में अखबारों का प्रयोग ज्यादा होता है, जबकि विकास करने वालों देशों में गरीबी और अनपढ़ होने की वजह से अखबार पढ़ने वालों की संख्या बहुत कम होती है एशिया द्वीप में जापान और चीन ऐसे देशहैं जहाँ प्रेस की व्यवसथा बहुत विकसित है। जापान का यू मेवरी सम्बन सारी दुनिया में सबसे ज्यादा छपने वाला अखबार है ये प्रतिदिन लगभग 140 लाख प्रतिलिपयां छापता है। हमारे देश में छोटे बड़े लगभग दो हजार अखबार 80 से अधिक भाषाओं में छपता है इनकी लगभग 170 लाखं प्रतिलिपी परिसंचरन है । देशमें अंग्रजी और हिन्दी अखबारों का वर्चस्व है ।

आस्टेलिया में लगभग 60 दैनिक छपते हैं जिनका परिसंचरन 35 लाख के करीब है । यूरोप में ब्रिटेन के निवासी प्रतिदिन अखबार पढ़ने के ज्यादा इच्छुक हैं। युनाइटेड किंगम और आजाद आयरलैंड में यूं तो छपने वाले अखबार की संख्या कम है लेकिन इनका परिसंचरन बहुत ज्यादा है यहां से लगभग 120 दैनिक निकलते हैं दूसरे विष्व संग्ारम से पहले फ्रांस से निकलने वाले अखबार किसी न किसी राजनैतिक पार्टी या सामाजिक गिरोहों से जुड़ा रहा करते थे जर्मनी में 357 अखबार छपते हैं इनका परिसंचरन 20 मिलियन से अधिक है।

अखबार क्या है ?

संचार के माध्यम के दो मुक्त प्रकार हैं एक प्रिन्ट मीडिया और दूसरा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के तहत अखबार या मैगजीन, दैनिक, सप्ताहिक महीने, छमाही और सालाना निकलते हैं । इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रेडियो, टेलीवीजन, न्यूज रोल, फिल्म, इन्टरनेट शामिल हैं। न्यूज अरबी जबान का शब्द है जिसका बहुवचन अखबार है यानी अलग अलग न्यूज के संकलन को अखबार कहते हैं। इसलिए अखबार तीन चैथाई भाग में केवल न्यूज होता है। लोग अखबार इसलिए खरीदते हैं ताकि इसको पढ़े और जानकारी हासिल कर सके। प्रारम्भ में ये शब्द कलम से लिखे खबरों के लिए बोला जाता था जो राजाओं के संदेश भेजने वाले दूसरे राजाओं को भेजा करते थे। आज का युग अखबारों का युग है प्रतिदिन अखबार आज के समय में हजारों की संख्या में छपते हैं। तीन दिन पर निकलने वाला अखबार एक समय बहुत मशहूर था आज कल ये बहुत ही कम छपता है । साप्ताहिक अखबारो में सनसनीखेज खबरें प्रकाशित होती हैं । ऐसे साप्ताहिक अखबारों से लाभ ये है कि ऐसे व्यक्ति जो प्रतिदिन अखबार नहीं पढ़ सकते वो सप्ताह भर की मुख्य खबरें पढ़ लेते हैं इसमें छोटी घटना को भी सनसनीखेज अंदाज में पेश किया जाता है । ये अखबार अपने पढ़ने वालों का पूरा ख्याल रखता है जब हम मीडिया की आजादी की बात करते हैं तो

इस विषय पर अखबार के हवाले से ही अध्कि बातें होती हैं । प्रेस ने इसके लिए जो कानून बनाए हैं वह इस प्रकार हैं-

-ये छपा होना चाहिए

-इसे तय समय पर जारी होना चाहिए

-इसमें खबरे और खबर का पूरा विस्तार होता है

-जो खबर अखबारों में छपे वह आम जनता के फायदे के लिए हो

मौलाना आजाद नेशनल उर्द विश्वविद्यालय का इतिहास-

ये विश्वविद्यालय संसदीय कानून के तहत 1998 में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की हैसियत से स्थापित हुआ । ये रेगुलर और डिसटेंस दोनों प्रकार की शिक्षा प्रदान करता है इस के शिक्षा का माध्यम उर्दू है।इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय हैदराबाद में है। इसमें छात्र छात्राओं और पढ़ाने के लिए शिक्षक पूरे हिन्दुसताने से आते हैं इस विश्वविद्यालय के सात सेटेलाइट कैंपस है । इसके मुख्यालय हैदराबाद कैंपस में लगभग 3000 छात्र छात्राएं हैं। विश्वविद्यालय को नैक ने ए ग्रेड दिया है । इस विश्वविद्यालय को खालेने का मुख्य मकसद निम्न है

- उर्दू की विकास
- उर्दू में तकनीकी और साइंस की षिक्षा प्रदान करना
- रेगूलर और डिसटेंस दोनों में शिक्षा मुहैया कराना
- महिलाओं की शिक्षा पर अध्का जोर देना

उर्दू के क्षेत्र को और बढ़ाने के लिए यूनिर्वसिटी ने कई मड्डल स्कूल भी बनाए हैं जिनमें उर्दू माध्यम द्वारा शिक्षा दी जाती है ।

संदर्भ सूची

1-हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम-वेद प्रताप वैदिक

2-सामाजिक शोध-आर.मुखर्जी

3-भारत में पत्रकारिता-आलोक मेहता